ओवरलोडिंग, जर्जर वाहन, सुरक्षा नियमों की खुलेआम धज्जियां, हर दिन हजारों बच्चे खतरे के साए में स्कूल जाने को मजबूर

स्कूल बसें या चलती फिरती मौत? जिले में मासूमों की जान से खिलवाड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा, मनीष गड़करी

स्कूल खुल चुके हैं और जिलेभर में हजारों बच्चे रोजाना स्कूल बसों और वैनों से अपने शिक्षण संस्थानों तक पहुंच रहे हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या ये बच्चे सुरक्षित हैं? यदि छिंदवाड़ा जिले के शहरों, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित स्कूल वाहनों की वास्तविक स्थिति देखी जाए तो तस्वीर बेहद चिंताजनक नजर आती है। कई स्कूल बसें और वैन शासन के सुरक्षा नियमों को ताक पर रखकर संचालित हो रही हैं।

कहीं क्षमता से कई गुना अधिक बच्चों को ठूंस-ठूंसकर बैठाया जा रहा है, तो कहीं बच्चे बसों के गेट पर लटककर सफर करने को मजबूर हैं। अनेक वाहन जर्जर अवस्था में हैं, जबकि कई वाहनों की फिटनेस, बीमा और सुरक्षा मानकों पर भी गंभीर सवाल खड़े होते रहे हैं।सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि हर साल जब स्कूल खुलते हैं, तब परिवहन विभाग और प्रशासन कुछ दिनों तक जांच अभियान चलाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी होने का दावा कर देता है।

इसके बाद पूरा अभियान ठंडे बस्ते में चला जाता है और स्कूल वाहन फिर पुराने ढर्रे पर दौड़ने लगते हैं। ऐसा लगता है मानो प्रशासन केवल किसी बड़े हादसे के बाद ही जागने की परंपरा निभा रहा हो।जिले के अधिकांश निजी स्कूलों में बच्चों को निर्धारित क्षमता से अधिक संख्या में बसों और वैनों में बैठाया जा रहा है। छोटी वैनों में 15 से 20 बच्चों

तक को भर दिया जाता है।

कई बसों में बच्चों को सीट तक नहीं मिलती और वे पूरे रास्ते खड़े होकर सफर करते हैं। कई जगह तो बच्चे बस के गेट पर लटकते हुए भी दिखाई देते हैं। यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं बल्कि मासूमों की जिंदगी के साथ सीधा खिलवाड़ है।सरकार ने स्कूल वाहनों के संचालन के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाए हैं।

प्रत्येक वाहन का नियमित फिटनेस प्रमाणपत्र होना चाहिए, वैध बीमा होना चाहिए, निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चे नहीं बैठाए जा सकते, आपातकालीन निकास, फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र, जीपीएस, सीसीटीवी तथा प्रशिक्षित चालक और महिला परिचालिका जैसी व्यवस्थाएं अनिवार्य हैं। लेकिन जिले के अनेक स्कूलों में इन नियमों का पालन केवल कागजों तक सीमित दिखाई देता है।बीते वर्षों में देश और प्रदेश में स्कूल बसों से जुड़े कई दर्दनाक हादसे हो चुके हैं।

हर हादसे के बाद प्रशासन सख्ती की बात करता है, जांच बैठती है, निर्देश जारी होते हैं, लेकिन कुछ ही दिनों में सब कुछ सामान्य हो जाता है। सवाल यह है कि क्या छिंदवाड़ा प्रशासन भी किसी बड़े हादसे के बाद ही कार्रवाई करेगा?कुछ समय पहले जिले में एक निजी स्कूल बस का सस्पेंशन (पत्ता) चलते-चलते टूट गया था और बड़ा हादसा टल गया। यह घटना साफ संकेत थी कि कई स्कूल वाहन तकनीकी रूप से सुरक्षित नहीं हैं। इसके बावजूद व्यापक स्तर पर जांच अभियान नहीं चलाया गया। यदि उस दिन बस अनियंत्रित हो जाती तो दर्जनों मासूमों की जान खतरे में पड़ सकती थी। अभिभावक अपने बच्चों को इस भरोसे के साथ स्कूल भेजते हैं कि वे सुरक्षित घर लौटेंगे।

अभिभावकों को किया जाए जागरूक

जिले में एक व्यापक अभियान चलाने की जरूरत है, जिसमें प्रत्येक निजी और सरकारी स्कूल वाहन की फिटनेस, बीमा, परमिट, चालक का लाइसेंस, सुरक्षा उपकरण और वास्तविक क्षमता की जांच की जाए। साथ ही अभिभावकों को भी जागरूक किया जाए कि वे अपने बच्चों को ऐसे वाहनों में न भेजें जो स्पष्ट रूप से सुरक्षा नियमों का उल्लंघन कर रहे हों।आज आवश्यकता हादसे के बाद कार्रवाई करने की नहीं, बल्कि हादसे को रोकने की है। यदि प्रशासन समय रहते नहीं चेता तो किसी भी दिन कोई बड़ी दुर्घटना पूरे जिले को झकझोर सकती है। उस समय जिम्मेदार विभागों के पास सफाई देने के अलावा कुछ नहीं बचेगा। बच्चे देश का भविष्य हैं। उनकी सुरक्षा किसी भी कीमत पर सुनिश्चित करना शासन, प्रशासन, स्कूल प्रबंधन और समाज सभी की साझा जिम्मेदारी है।

सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने वालों पर हो कार्यवाही

जब स्कूल प्रबंधन अधिक मुनाफे के लिए वाहनों में क्षमता से अधिक बच्चे भरने लगे और जिम्मेदार विभाग आंखें मूंद लें, तब यह भरोसा टूटने लगता है। परिवहन विभाग, शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन की संयुक्त जिम्मेदारी है कि प्रत्येक स्कूल वाहन का नियमित निरीक्षण किया जाए। जिन वाहनों में ओवरलोडिंग हो रही है, जिनकी फिटनेस समाप्त हो चुकी है या जिनमें सुरक्षा मानकों का पालन नहीं हो रहा है, उन्हें तत्काल जब्त कर कार्रवाई की जाए। केवल चालान काटना पर्याप्त नहीं है। नियम तोड़ने वाले स्कूल प्रबंधन की भी जवाबदेही तय होनी चाहिए।यदि किसी बस के गेट पर लटकता बच्चा गिर जाए, यदि ओवरलोडिंग के कारण वाहन पलट जाए या तकनीकी खराबी से दुर्घटना हो जाए, तो क्या बाद में मिलने वाला मुआवजा उस परिवार के दर्द को कम कर पाएगा? किसी भी बच्चे का जीवन अनमोल है और उसकी सुरक्षा पर कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता।

चौरई में बस के गेट पर लटकते मिले बच्चे

चौरई नगर में केंद्रीय विद्यालय एवं फर्स्ट स्टेप स्कूल की बसों का वीडियो सामने आया है, जिसमें बच्चे बस के गेट पर लटककर सफर करते दिखाई दे रहे हैं। बस के अंदर भी क्षमता से अधिक बच्चे भरे हुए नजर आ रहे हैं और कई छात्रों को बैठने तक की जगह नहीं मिली। वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने प्रशासन से तत्काल जांच और कार्रवाई की मांग की है। यह मामला केवल चौरई का नहीं, बल्कि पूरे छिंदवाड़ा जिले में स्कूल वाहनों की बदहाल व्यवस्था की ओर इशारा करता है।

पुलिस कर रही मामले की जांच

वेलफेयर मार्ग पर कोयला से लदे ट्रक ने बाइक सवारों को मारी टक्कर, दो की हालत नाजुक

हरिभूमि न्यूज ⏭ जुन्नारदेव

दमुआ-छिंदवाड़ा मार्ग पर बेलफेयर के सामीप शनिवार को एक भीषण सड़क हादसा सामने आया, जहाँ रफ्तार के कहर ने तीन लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। यहाँ कोयले से भरे ओवरलोड एक तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से आ रहे बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक को रौंदने के बाद अनियंत्रित होकर ट्रक सड़क पर ही पलट गया। इस खौफनाक मंजर को देख मौके पर मौजूद लोगों में चीख-पुकार मच गई।

मिली जानकारी के अनुसार, इस दर्दनाक हादसे में बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घायलों में से दो की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। दुर्घटना होते ही आस-पास के ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे और भारी मशक्कत के बाद ट्रक के मलबे के पास से घायलों को बाहर निकाला। सभी घायलों को तुरंत एम्बुलेंस की मदद से नजदीकी अस्पताल भिजवाया गया, जहाँ उनका इलाज जारी है। ओवरलोडेड ट्रक की जांच व अवैध रूप से भरे ओवरलोड ट्रक के मालिक पर कार्यवाही करने की भी लोगों ने बात कही।

यातायात हुआ बाधित, पुलिस जांच में जुटी

बीच सड़क पर कोयले से लदे ट्रक के पलटने और कोयला बिखरने के कारण दमुआ-छिंदवाड़ा मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची।पुलिस ने क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को सड़क से हटवाकर यातायात को सुचारू रूप से बहाल कराया। पुलिस प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए ट्रक चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज कर लिया है और घटना के कारणों की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

1200 कि.ग्रा. महुआ लाहन किया नष्ट एवं 35 लीटर कच्ची शराब की गई जप्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिन्दवाडा

कलेक्टर हरेंद्र नारायन के निर्देशन एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री बी.आर. वैद्य के मार्गदर्शन में शनिवार सुबह आबकारी वृत्त क्रमांक- 1 एवं 2 के अमले ने अवैध शराब के अड्डों पर संयुक्त कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान ग्राम घाट परासिया, जमुनिया एवं मेढ़कीताल में दबिश देकर घरों तथा नाले के किनारे तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान प्लास्टिक के ड्रमों एवं डिब्बों में भरा लगभग 1200 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद हुआ, जिसे नियमानुसार मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। इसके अलावा 35 लीटर हाथ भट्टी

की कच्ची शराब भी जप्त की गई। मामले में आरोपियों के विरुद्ध कुल 6 प्रकरण दर्ज कर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क) एवं (च) के तहत कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी राजेश सिंघल, आबकारी उप निरीक्षक एवं वृत्त प्रभारी नरेंद्र नागेश, आबकारी मुख्य आरक्षक लक्ष्मीचंद, आबकारी आरक्षक जितेंद्र सिंह, राजकुमार सैयाम एवं सुश्री सोनाली बरकड़े शामिल थीं।

डॉ. डवले को 'अचीवर अवार्ड काउंसिल' की आजीवन सदस्यता से किया सम्मानित

सौंसर। समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले डॉ. निलेश डावले को 'अचीवर अवार्ड काउंसिल' की आजीवन सदस्यता प्रदान की गई है। हाल ही में जारी आधिकारिक प्रमाण पत्र के माध्यम से उन्हें यह सम्मान समाज के प्रति उनके समर्पण और विकास कार्यों के लिए दिया गया है।यह उपलब्धि डॉ. डवले की सामाजिक प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। 'अचीवर अवार्ड काउंसिल' द्वारा जारी इस प्रमाण पत्र में उन्हें आजीवन सदस्य के रूप में नामांकित किया गया है, जो 'न्याय और समानता' के आदर्शों पर कार्य करती है। यह संस्था कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत पंजीकृत है। इस सम्मान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों ने कहा कि डॉ. डवले जैसे समर्पित व्यक्तियों का सामाजिक विकास के कार्यों में जुड़ना समाज के लिए प्रेरणादायी है।

मेडिकल कॉलेज में इस वर्ष भी 150 विद्यार्थियों को मिल सकेगा एमबीबीएस में प्रवेश

छिंदवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू के प्रयासों के बाद ही अब मेडिकल कॉलेज छिंदवाड़ा में इस वर्ष 2026-27 में भी 150 विद्यार्थियों को एमबीबीएस में प्रवेश मिल सकेगा। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग नई दिल्ली ने इसके आदेश जारी कर दिए है। सांसद के प्रयासों से ही मध्यप्रदेश में सबसे पहले छिंदवाड़ा मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस में प्रवेश की एक्सटेंशन की अनुमति प्राप्त हुई है।

अब शीघ्र ही विभागीय प्रक्रिया पूर्ण होते ही छिंदवाड़ा मेडिकल कॉलेज में 150 विद्यार्थियों को एमबीबीएस में प्रवेश दिया जायेगा। 150 विद्यार्थियों को एमबीबीएस में प्रवेश दिलाने के लिए पिछले दिनों सांसद बंटी विवेक साहू ने दिल्ली में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा एवं भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव से मुलाकात करते हुए निवेदन किया था। इसी के बाद ही राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग नई दिल्ली ने एमबीबीएस में प्रवेश के आदेश जारी कर दिए है।

जिले में अभी तक 294.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

छिन्दवाड़ा। जिले की औसत वर्षा 1059 मि.मी. है तथा जिले में अभी तक 294.2 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 416.3 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में 11 जुलाई 2026 को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान 0.0 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 11 जुलाई 2026 को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान जिले की तहसीलों में वर्षा नहीं हुई। जिले में एक जून से अभी तक तहसील छिन्दवाड़ा में 190.2, मोहखेड़ में 264.4, तामिया में 277, अमरवाड़ा में 310.2, चौरई में 359.4, हर्रई में 214.3, बिछुआ 242.5, परासिया में 207.3, जुन्नारदेव में 289, चांद में 417.9 और उमरेठ में 304.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

भाजपा किसान मोर्चा की नई कार्यकारिणी घोषित

सौंसर। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष विलास खिरडकर ने किसान मोर्चा की नई जिला कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। यह नियुक्ति भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल और किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा के निर्देशानुसार की गई है। नए नियुक्ति में उपाध्यक्ष मदन साहू, विजय आखरे, सुंदर पवार, सुभाष बालपांडे और हरिभाऊ बोबडे, महामंत्री किशोर धुर्वे और रवि फरकसे,मंत्री महेश भादे, दिनेश भारत, राजु पवार, शेषराव गोयते और सुरेश कोठे,कोषाध्यक्ष एवं कार्यालय घनश्याम मोयर (कोषाध्यक्ष), संदेश धर्माधिकारी (सह-कोषाध्यक्ष), हेमराज कोरडे (कार्यालय मंत्री) और लोकेश भकने,विभागीय प्रभारियों में मीडिया एवं सोशल मीडिया प्रभारी सुनील पोतरे सूर्यभान सवई आनंद चौहान विनोद इंगले,विशेष प्रभार भूषण बेलखेड़े, राजकुमार चन्द्रवंशी प्रकाश कनिरे प्रदीप डांगे, दीपक नाइक,योजना एवं लाभार्थी प्रबंधन बाबराव रहाटे,गोविंदा वडस्कर,गजेन्द्र डोंगरे सुन्दरलाल देशमुख को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है।

दुकान निर्माण कार्य में प्रगति न आने पर उपयंत्री का वेतन रोकने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिन्दवाडा

नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा के सभाकक्ष में आज आयुक्त श्री सीपी राय की ने समय सीमा प्रकरणों और विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान आयुक्त द्वारा शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, शहरी अधोसंरचना और जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण को लेकर कड़े निर्देश जारी किए गए।

आयुक्त श्री सीपी राय ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समीक्षा के दौरान यह तथ्य सामने आया कि नगर निगम द्वारा निर्मित की जा रही दुकानों में छोटे-छोटे कार्य अपूर्ण होने के कारण क्रेताओं से एक बड़ी राशि निगम को मिलना शेष है। इस पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए आयुक्त ने संबंधित उपयंत्रियों को अपूर्ण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए तथा चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर दुकान निर्माण कार्य में प्रगति परिलक्षित नहीं हुई, तो स्थापना शाखा संबंधित उपयंत्री का वेतन रोकने की कार्रवाई सुनिश्चित करे।

बैठक में वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए जन सुरक्षा के लिहाज से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। आयुक्त ने पूर्व में चिन्हांकित जर्जर भवनों को दिए गए नोटिस के फॉलोअप की समीक्षा की और उपयंत्रियों को पुनः सघन सर्वे करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अत्यंत खतरनाक और जर्जर हो चुके भवनों को तत्काल हटाने की कार्रवाई की जाए, साथ ही आम नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे अपने आसपास ऐसे जर्जर भवनों की जानकारी नगर निगम प्रशासन को देकर सहयोग करें। इसके अतिरिक्त, बारिश के दौरान शहर के निचले हिस्सों में होने वाले जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए अमले को मुस्तैद रहने और तत्काल पानी की निकासी कराने के निर्देश दिए गए। मौसमी बीमारियों जैसे मलेरिया, डेंगू आदि की रोकथाम हेतु फॉगिंग और आवश्यक कीटनाशक छिड़काव की कार्यवाही तेज करने को कहा गया।

आयुक्त द्वारा लोक कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत अधिक से अधिक पात्र श्रमिकों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए गए, जिसके अंतर्गत 18 से 40 वर्ष तक के श्रमिकों को आयु के अनुसार निर्धारित प्रतिमाह राशि जमा करनी होती है, जिससे उन्हें 60 वर्ष की आयु के बाद 3,000 रुपये प्रतिमाह पेंशन प्राप्त होगी। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माणाधीन भवनों की अधिक से अधिक जियो टैगिंग करने के निर्देश फील्ड इंजीनियरों को दिए गए। शहर की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से वार्ड क्रमांक 21 गीतांजलि कॉलोनी में शासकीय भूमि पर किए गए अस्थाई अतिक्रमण को तत्काल हटाने, भवन अनुज्ञा के लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने तथा जीआईएस (GIS) सर्वे, सांसद निधि एवं विधायक निधि मद के विकास कार्यों की प्रगति की भी गहन समीक्षा की गई। प्रशासनिक कसावट लाते हुए आयुक्त ने ई-फाइल प्रक्रिया में समय-सीमा से अधिक समय से लंबित फाइलों को अगले कंसोल में भेजने अथवा तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने पीएम स्वनिधि योजना, जनसुनवाई, सीएम मॉनिट, कलेक्टर समय-सीमा प्रकरणों सहित सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों के शत-प्रतिशत और गुणवत्तापूर्ण निराकरण के कड़े निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए।

कैंपा मद प्लांटेशन में अनाधिकृत प्रवेश करने वालों ने गेट किया क्षतिग्रस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

तामिया वन परिक्षेत्र की तामिया बीट में कैंपा (CAMPA) मद के तहत किए गए वृक्षारोपण एवं चारागाह विकास कार्यों की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय स्तर पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि जल ग्रहण मिशन क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम वन समिति दलेल और बखारी में करोड़ों रुपये की लागत से कराए गए कार्य अपेक्षित परिणाम नहीं दे सके।

शिकायतकर्ताओं का दावा है कि भारी राशि खर्च होने के बावजूद पांच वर्ष बाद भी अधिकांश पौधे विकसित नहीं हो पाए हैं, जिससे सरकारी धन के उपयोग पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं।जानकारी के अनुसार, तामिया सामान्य पश्चिम वन परिक्षेत्र, छिंदवाड़ा वन मंडल में लगभग 11 हेक्टेयर क्षेत्र में वृक्षारोपण, 10 हेक्टेयर में चारागाह विकास तथा 25 हेक्टेयर क्षेत्र में फेंसिंग का कार्य कराया गया था। इस दौरान 6,668 सागौन, 2,500 बांस, 2,222 अन्य प्रजातियों के पौधे तथा 5,000 घास बेड विकसित किए जाने का दावा किया गया था।

हालांकि, स्थानीय लोगों का आरोप है कि वर्तमान में मौके पर केवल सीमित संख्या में ही पौधे दिखाई देते हैं।आरोप यह भी हैं कि जंगल की सुरक्षा के लिए लगाई गई फेंसिंग कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो चुकी है। टूटे हुए खंभों और जाली के कारण लोगों का जंगल में प्रवेश आसान हो गया है, जिससे अवैध लकड़ी कटाई और वन क्षेत्र में आवाजाही की घटनाएं बढ़ने की बात कही जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार सरई के पेड़ों की कटाई भी लगातार जारी है।शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इस संबंध में मुख्य वन संरक्षक को लिखित शिकायत भी दी गई थी, लेकिन स्पष्ट साक्ष्य उपलब्ध होने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि लापरवाही के कारण कैंपा मद से किए गए कार्यों का उद्देश्य पूरा नहीं हो सका।वन क्षेत्र में अनधिकृत प्रवेश रोकने के लिए नहर किनारे लगाया गया लोहे का प्रवेश द्वार भी कई महीनों से क्षतिग्रस्त पड़ा है।

रातभर चला सफाई अभियान, वार्ड 10-11 के नाले से हटी वर्षों की गंदगी

210 टाटा हिटाची मशीन से वर्षों की गाद और कचरा हटाया गया, पार्षद सूर्यवंशी पूरी रात मौके पर डटे रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ परासिया

बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से लोगों को राहत दिलाने के उद्देश्य से वार्ड क्रमांक 10 एवं 11 के बीच स्थित मुख्य नाले की विशेष अभियान चलाकर सफाई कराई गई। लंबे समय से गाद और कचरे से भरे इस नाले की सफाई होने से क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

वार्ड क्रमांक 11 के पार्षद पवन सूर्यवंशी एवं वार्ड क्रमांक 10 के पार्षद अनुज पाठकर की पहल पर छिंदवाड़ा से 210 टाटा हिटाची मशीन मंगवाकर नाले की गहराई तक सफाई कराई गई। बताया गया कि हर वर्ष बारिश के समय नाले की सफाई नहीं होने से पानी आसपास के घरों में घुस जाता था, जिससे लोगों को आर्थिक नुकसान के साथ भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। वार्डवासी लंबे समय से इस समस्या के समाधान की मांग कर रहे थे। सफाई अभियान के दौरान पार्षद पवन सूर्यवंशी पूरी रात मौके पर डटे रहे और स्वयं नाले में उतरकर सफाई कार्य की निगरानी करते रहे। स्टेशन रोड की ओर जाने वाले संकरे हिस्से में अभियान के दौरान हिटाची मशीन फंस गई, जिसे रात करीब 2 बजे कड़ी मशक्कत के बाद पार्षद अनुज पाठकर, पवन सूर्यवंशी एवं मनोनीत पार्षद पीयूष बत्रा के प्रयासों से बाहर निकाला गया। इसके बाद सुबह तक लगातार सफाई कार्य जारी रखा गया।अभियान पूरा होने के बाद नाले से वर्षों से जमा गाद और कचरा हट गया, जिससे दुर्गंध में कमी आई है और आगामी बारिश में जलभराव की समस्या कम होने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

सफाई कार्य के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी योगेश बट्टी, सफाई दरोगा दीपक राय, पार्षद अनुज पाठकर, पार्षद पवन सूर्यवंशी तथा मनोनीत पार्षद पीयूष बत्रा मौजूद रहे।

पार्षद पवन सूर्यवंशी ने बताया कि स्टेशन रोड की ओर वार्ड क्रमांक 10 एवं 11 के बीच स्थित पुलिया के चौड़ीकरण एवं नए स्लैब कलवर्ट निर्माण की टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। वर्षा ऋतु समाप्त होने के बाद निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। फिलहाल सुरक्षा की दृष्टि से क्षतिग्रस्त मार्ग को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया

जन अभियान परिषद की पहल, नशामुक्ति एवं स्वैच्छिकता की दिलाई शपथ

पांढुर्णा। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित स्वैच्छिकता पर्व के अंतर्गत विकासखंड सौंसर के सेक्टर क्रमांक-05 स्थित आदर्श ग्राम रामुढाना में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नवांकुर संस्था ग्राम कल्याण विकास परिषद समिति, कोपरावाड़ी (खुर्द) द्वारा जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन एवं विकासखंड समन्वयक श्री अनिल बोबडे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान ₹एक पेड़ मां के नाम₹ अभियान के अंतर्गत शाला परिसर में पौधरोपण किया गया। साथ ही उपस्थितजनों को नशामुक्ति एवं स्वैच्छिकता की शपथ दिलाई गई। स्वच्छता अभियान के तहत शाला परिसर स्थित हैंडपंप की साफ-सफाई कर स्वच्छता एवं जनसहभागिता का संदेश दिया गया।

अंततः प्राचार्य ने जन भागीदारी कर्मचारियों के विनियमितीकरण निरस्त आदेश को किया स्थगित

जुन्नारदेव। शासकीय महाविद्यालय जुन्नारदेव के 03 जन भागीदारी कर्मचारियों को महाविद्यालय प्राचार्य द्वारा न्यायालय के स्टे उपरांत भी स्थाईकर्मी योजना आदेश को निरस्त कर दिया गया था जिसके बाद कर्मचारियों द्वारा न्यायालय की अवमानना की कार्यवाही की गई थी इसके बाद प्राचार्य द्वारा 11 जुलाई शनिवार को अपने स्वयं के आदेश दिनांक 04 07.2026 को स्थगित कर दिया गया है। महाविद्यालय के कर्मचारियों का कहना है कि इससे संबंधी जानकारी प्राचार्य को पूर्व में दे दी गई थी जिसके बाद अवमानना प्रकरण माननीय उच्च न्यायालय में दर्ज कराया गया था वर्तमान में प्राचार्य द्वारा उनके स्थायीकर्मी आदेश को स्थगित कर दिया गया है। इस संबंध में जन भागीदारी कर्मचारियों से चर्चा के उपरांत उनके द्वारा बताया गया की प्राचार्य द्वारा आदेश को स्थगित किया गया है ना की निरस्त इसलिए हमारे द्वारा न्यायालय में कार्यवाही यथावत की जाएगी।

13 से 16 जुलाई तक होगा 'द आर्ट ऑफ लिविंग' हैप्पीनेस प्रोग्राम, सुदर्शन क्रिया का मिलेगा अनुभव

जुन्नारदेव। तनावपूर्ण जीवनशैली के बीच मानसिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और स्वस्थ जीवन की दिशा में कदम बढ़ाने के उद्देश्य से जुन्नारदेव में 'द आर्ट ऑफ लिविंग' हैप्पीनेस प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है। यह चार दिवसीय कार्यक्रम 13 जुलाई से 16 जुलाई 2026 तक प्रतिदिन प्रातः 6:30 बजे से 9:15 बजे आयोजित होगा।कार्यक्रम का आयोजन रामलीला मंच, विजय स्तंभ, जुन्नारदेव में किया जाएगा, जहां प्रतिभागियों को विश्वप्रसिद्ध सुदर्शन क्रिय, तनाव मुक्ति, गहरे विश्राम तथा जीवन में सकारात्मकता लाने वाली विभिन्न तकनीकों का अभ्यास कराया जाएगा।यह कार्यक्रम आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षक भूपेंद्र मिश्रा के सान्निध्य में आयोजित होगा। आयोजकों के अनुसार, इस चार दिवसीय प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को मानसिक तनाव कम करने, आत्मविश्वास बढ़ाने, आंतरिक शांति का अनुभव करने तथा जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करने के व्यावहारिक उपाय बताए जाएंगे।आयोजकों ने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। कार्यक्रम में भाग लेने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध है। चूंकि सीटें सीमित हैं, इसलिए इच्छुक प्रतिभागियों से शीघ्र पंजीकरण कराने का आग्रह किया गया है।

विश्व जनसंख्या दिवस पर नुक्कड़ नाटक एवं चित्रकला से दिया जागरूकता का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड एवं नेमा क्षारसूत्र फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित स्वच्छता अभियान के अंतर्गत जिले में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को लेकर व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में आज विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जिला आयुष अधिकारी डॉ. प्रमिला यावतकर के निर्देशानुसार एवं डॉ. रश्मि नेमा आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी, आयुष्मान आरोग्य मंदिर मालहनवाड़ा तथा डॉ. अंकुश साहू की उपस्थिति में मालहनवाड़ा स्कूल में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा चित्रकला एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बढ़ती जनसंख्या के दुष्परिणामों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।

इसके साथ ही सिंगल यूज़ प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के उद्देश्य से कपड़े की थैलियों का वितरण किया गया, जिससे लोगों को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनने के लिए प्रेरित किया जा सके।स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु सूखा एवं गीला कचरा अलग-अलग एकत्र करने के लिए दो-दो डस्टबिन भी वितरित किए गए।

उप संचालक पशुपालन ने आदर्श गौशाला पाठाढाना का किया निरीक्षण

छिंदवाड़ा। उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. एच.जी.एस. पक्षवार ने पशु चिकित्सा दल के साथ आदर्श गौशाला पाठाढाना (चंदनगांव) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सात बीमार गौवंश का उपचार कर उन्हें आवश्यक दवाइयां एवं ड्रिप लगाई गई। निरीक्षण के समय किसी भी गौवंश की मृत्यु नहीं पाई गई।

निरीक्षण के दौरान गौशाला परिसर में जमा कीचड़ हटाकर गिट्टी बिछाई गई। जिन 66 गौवंश के कानों में टैग नहीं लगे थे, उन्हें टैग लगाया गया। पेयजल टांके में गंदगी पाए जाने पर नगर निगम के कर्मचारियों को टांका साफ कर चूने से पुताई करने तथा स्वच्छ पानी भरने के निर्देश दिए गए। उप संचालक डॉ. पक्षवार ने गौशाला के शेड के समीप जलभराव की समस्या दूर करने के लिए ड्रिल से छेद कर पानी निकासी की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण में यह भी पाया गया कि कुछ दानदाता गौवंश को गोभी खिला रहे हैं। विभाग ने बताया कि कीटनाशकों के छिड़काव के कारण गोभी के सेवन से फूड पॉइजनिंग की आशंका रहती है।

500 किलो महुआ लाहन किया नष्ट, दो प्रकरण किए पंजीबद्ध

अवैध शराब के अड्डों पर आबकारी विभाग की प्रभावी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ पांढुर्णा

कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ के निर्देशन तथा सहायक आबकारी आयुक्त बी.आर. वैद्य के मार्गदर्शन में जिले में अवैध मदिरा के विनिर्माण, परिवहन, संग्रहण एवं विक्रय पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से आबकारी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में 11 जुलाई को आबकारी वृत्त पांढुर्णा की टीम द्वारा ग्राम भुली एवं रैयतवाड़ी टेमनी क्षेत्र में अवैध शराब के अड्डों पर सघन दबिश देकर कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान चढ़ी हुई हाथ भट्टी, नालों एवं जंगल क्षेत्र में झाड़ियों के समीप पन्नियों तथा ड्रमों में अवैध हाथ भट्टी महुआ शराब निर्माण के लिए संग्रहित लगभग 500 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद किया गया। बरामद महुआ लाहन में से नियमानुसार सैंपल लेकर शेष लगभग 500 किलोग्राम महुआ लाहन को निर्मूल्य होने के कारण मौके पर ही विधिवत नष्ट किया गया। इस कार्रवाई के दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1) के अंतर्गत कुल 02 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। उक्त कार्रवाई में आबकारी वृत्त प्रभारी श्री अनिकेत पटेल, आबकारी आरक्षक श्री मुकेश रहांगडाले एवं श्री अनुराग गोनेकर की सक्रिय सहभागिता रही।

यूनिफॉर्म सिविल कोड से बहु विवाह का उन्मूलन होगा : निशा

जुन्नारदेव : पंडित रविशंकर शुक्ल स्कूल में यूनिफॉर्म सिविल कोड पर निबंध और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित कर पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम के सम्मान समारोह में अधिवक्ता तबस्सुम निशा ने कहा कि यूनिफॉर्म सिविल कोड से बहुविवाह का उन्मूलन होगा। न्याय व्यवस्था सरल होगी ।महिलाओं को पुरुष के बराबर अधिकार प्राप्त होंगे। जिससे समाज का सकारात्मक सुधार होगा। इसी क्रम में अधिवक्ता राजेंद्र शर्मा ने कहा कि यूसीसी से सभी को बराबरी के अधिकार मिलेंगे। आगे उन्होंने बताया कि हमारे देश में न्याय व्यवस्था में लगातार सुधार हो रहे हैं। जिसके तहत यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने के प्रयास किया जा रहे हैं। यूसीसी से सभी को समान अधिकार एक सा कानून से न्याय मिलेगा। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रमेश सालोडे ने कहा की पूरे देश में एक कानून लागू होना चाहिए। जिससे पक्षकारों और वकीलों को भी सुविधा होगी। कार्यक्रम में अपील समिति सदस्य संजय जैन ने बताया कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपनी मन की बात कार्यक्रमों में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने की बात कही है। कार्यक्रम का मंच संचालन शिक्षक अजहर खान ने किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रमेश सालोडे नपाउपाध्यक्ष सोनिया कुमरे सभापति संजय जैन,सभापति अमित यादव, भाजपा नेता देवेंद्र टांडेकर, सभापति नीता कुरोलिया,शरद कुरोलिया विजय पाल सहित सैकड़ों विद्यार्थी पंडित रविशंकर स्कूल के शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

राजस्थान के 13 वर्षीय बालिका के साथ हुई दरिंदगी के खिलाफ आक्रोश, निकाला शांति मार्च

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

राजस्थान के श्री गंगा नगर में एक 13 वर्षीय बालिका के साथ की गई दरिंदगी के खिलाफ वारासिवनी नगर के महिला संगठनो द्वारा संयुक्त रूप से शांति मार्च निकाल कर अपना आक्रोश व्यक्त किया गया।

इस मौके पर शुक्रवार की शाम को नगर के जय स्तंभ चौक सभी संगठनों की महिलाएं एकजुट हुई। जहां से शांति मार्च निकाला गया। मार्च में शामिल महिलाओं के हाथों में तख्तियां थीं, जिन पर दोषियों को फांसी दो और अपराधियों पर कठोरतम कार्यवाही करो जैसे स्लोगन लिखे हुए थे। यह शांति मार्च जय स्तंभ चौक से नेहरू चौक, अम्बेडकर चौक होकर वापस फव्वारा चौक होते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचा। जहां पर उन्होंने तहसीलदार वारासिवनी वंदना कुशराम को राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपकर पीड़िता के लिए त्वरित न्याय की मांग की।

ज्ञापन मे उल्लेखित है कि इस हृदयविदारक घटना ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। देश में बेटियों की सुरक्षा के लिए अब ठोस कदम उठाए जाने अत्यंत आवश्यक हैं। भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से मांग की गई है कि अपराधियों को जल्द से जल्द पकड़कर कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए तथा महिलाओं और बालिकाओं के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट से न्याय दिलाकर सुरक्षा प्रदान करना सुनिश्चित किया जाए।

प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ जयश्री अरोरा ने कहा कि इस हादसे के विरोध में महिलाएं अपना आक्रोश व्यक्ति करने के लिए निकली है। यह कृत्य घृणित मानसिकता का है, हर व्यक्ति में डर होना चाहिए की घटना का अंजाम क्या होगा। हम लोगों के बीच में स्वस्थ मानसिकता फैलाना चाहते हैं कि किसी भी बच्चों के साथ ऐसा होता है, तो समाज को साथ में होना चाहिए। आज हर व्यक्ति को दुख और संवेदना है, हम यह जो परिवर्तन देख रहे हैं, वह घृणित मानसिकता के कारण है क्योंकि इन्होंने ऐसी बच्ची को टारगेट किया जो अपना विरोध प्रकट नहीं कर सकती है। यह लोग सोच समझकर 10 और 12 वर्ष की बच्चियों को टारगेट कर रहे हैं।

पहली तिमाही में रिकॉर्ड प्रदर्शन के साथ मॉयल ने तय किए महत्वाकांक्षी लक्ष्य-सुरेश

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

देश की अग्रणी मैंगनीज अयस्क उत्पादक कंपनी मॉयल लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करते हुए उत्पादन और बिक्री के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। कंपनी के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक वी. सुरेश ने कर्मचारियों को संबोधित संदेश में बताया कि जून 2026 में मैंगनीज अयस्क का उत्पादन 1.70 लाख टन रहा, जो स्थापना के बाद किसी भी जून माह का सर्वाधिक उत्पादन है। पहली तिमाही के दौरान कुल उत्पादन 5.08 लाख टन तक पहुंच गया, जो कंपनी के इतिहास में अब तक का सर्वोच्च तिमाही उत्पादन है।

उन्होंने बताया कि यह उपलब्धि कंपनी द्वारा निर्धारित लक्ष्य का 103 प्रतिशत है। बिक्री के क्षेत्र में भी मॉयल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पहली तिमाही में 3.68 लाख टन अयस्क की बिक्री की, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 3.56 लाख टन था। प्रबंधन के अनुसार यह सफलता खदानों में कार्यरत कर्मचारियों, सुरक्षा टीमों, तकनीकी विशेषज्ञों तथा प्रशासनिक इकाइयों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है।

इन उपलब्धियों के साथ कंपनी ने पूरे वित्त वर्ष के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य भी निर्धारित किए हैं। मॉयल का उद्देश्य चालू वर्ष में 25.85 लाख टन मैंगनीज अयस्क का उत्पादन करना, लगभग 2,130 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित करना तथा अनुसंधान एवं विकास पर 20 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करना है। इसके अतिरिक्त 800 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की योजना बनाई गई है तथा उत्पादन लागत को घटाकर लगभग 4,730 रुपये प्रति टन तक लाने का लक्ष्य रखा गया है।

कंपनी ने भविष्य की विकास यात्रा के लिए कई प्राथमिकताएं भी तय की हैं। इनमें खदानों के डिजिटलीकरण और एकीकृत कमांड एवं कंट्रोल सेंटर की स्थापना, सभी भूमिगत खदानों में 5जी आधारित संचार व्यवस्था का विस्तार, कर्मचारियों के लिए शून्य-हानि सुरक्षा संस्कृति का विकास तथा नई परियोजनाओं को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाना शामिल है। इसके साथ ही परिपत्र अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने, अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा देने तथा सभी परिसरों को एकल-उपयोग प्लास्टिक मुक्त बनाने की दिशा में भी विशेष प्रयास किए जाएंगे।

वी. सुरेश ने कहा कि इतिहास उन्हीं का होता है जो बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने का साहस रखते हैं।

उन्होंने कर्मचारियों से उत्कृष्टता, अनुशासन और टीम भावना को बनाए रखने का आह्वान करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि मॉयल आने वाले समय में नई ऊंचाइयों को छुएगी और देश के औद्योगिक विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को और सुदृढ़ करेगी। उन्होंने विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय लक्ष्य में योगदान देने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए सभी कर्मचारियों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

जिला स्तरीय खेल कैलेंडर निर्माण बैठक संपन्न, नई खेल प्रतिभाओं को तराशने पर जोर

बालाघाट। लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल के निर्देशों के तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के जिला स्तरीय खेल कैलेंडर के निर्माण को लेकर शनिवार को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, बालाघाट में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक जिला शिक्षा अधिकारी धनश्री जैन के निर्देशानुसार, सहायक संचालक श्री मरावी के मार्गदर्शन में तथा जिला खेल अधिकारी दीपक गिरी गोस्वामी की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य शेख इजराइल दूधगोरे, प्राचार्य खेमन लिल्हारे, मॉडल स्कूल बैहर के प्राचार्य सुनील खोब्रागड़े, कन्या विद्यालय वारासिवनी के श्री चौहान सहित जिलेभर के पीटीआई, खेल शिक्षक एवं क्रीड़ा प्रभारी शामिल हुए। कार्यक्रम में 100 से अधिक क्रीड़ा प्रभारियों एवं खेल अधिकारियों ने सहभागिता की।

नगर का कचरा उठाने के स्थान पर निजी कचरा उठा कर पैसे कमाने का लगाया आरोप

पार्षद प्रवीण डोंगरे ने नगर पालिका पर जनता के टैक्स के पैसे का दुरुपयोग करने का लगाया आरोप

सफाई कर्मचारी जिम्मेदारी का नहीं कर रहे निर्वहन

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। नगर पालिका परिषद वारासिवनी के सत्ताधारी पार्षद व सभापति प्रवीण डोंगरे ने नगर पालिका परिषद पर गम्भीर आरोप लगाया है। उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी और नगर पालिका अध्यक्ष को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि नगर की जनता जो टैक्स दे रही है। उस राशि का परिषद में बैठे अधिकारी व जनप्रतिनिधि दुरुपयोग कर रहे है।

जनता से जो टैक्स का पैसा आता है। उस राशि से विद्युत सामग्री,बिजली बिल, ट्रेक्टर का डीजल डलवाया जाता है। मगर लेकिन जब सफाई सुविधा देना हो, तो कुछ कर्मचारी अपना कर्तव्य जनता के प्रति नहीं निभाते है। सरकारी वाहन एवं कर्मचारी का उपयोग प्राइवेट कामों में किया जा रहा है। जिससे जनता के पैसे का दुरुपयोग हो रहा है। इस संबंध में सभापति व पार्षद प्रवीण डोंगरे ने जो पत्र सीएमओ व अध्यक्ष को लिखा है, वह पत्र सोशल मीडिया में भी जमकर वायरल भी हो रहा है। जिस पर नागरिकगण अपनी तीखी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। वही इस पत्र के वायरल होने के बाद नगरपालिका के कर्मचारी भी गहरी नींद से जागकर वार्ड नंबर 5 में रखे हुए कचरे को उठाने के लिए पहुंच गए थे। वहीं जब पार्षद प्रवीण डोंगरे से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि नगर की जनता जो टैक्स देती है। उस राशि का उपयोग विकास कार्यों या जनता की सेवा में होनी चाहिए। मगर वारासिवनी नगर पालिका के अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के दबाव में नगर पालिका के दर्जनो कर्मचारी जनप्रतिनिधियो के घर में साफ सफाई और खाना बनाने का काम कर रहे है। जब कर्मचारी वहां काम नहीं करने अधिकारी को मना करते है। तो उन कर्मचारियों को काम से निकालने की धमकी दी जाती है। जिसकी शिकायत भी पूर्व में मेरे द्वारा अधिकारियों से की गई थी। लेकिन आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि नगर में जगह-जगह मलमा पड़ा है। पहले दो ट्रैक्टर चलाते थे, अभी तीन ट्रैक्टर चल रहे हैं। लेकिन जो ट्रैक्टर प्रभारी है, दैनिक वेतन भोगी, जिसको प्रभार दिया गया है,

वह ईमानदारी से काम नहीं कर रहा है। वह शहर के मलमे को छोड़कर प्राइवेट मलमा उठाता है। जिससे उसको पैसा मिलता होगा!उसको उठाने में ज्यादा ध्यान दे रहा है, इसकी शिकायत मैंने नगर पालिका आधिकारी को किया, उन्होंने मुझे 24 घंटे के अंदर उस पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

इस संबंध में जब नगरपालिका सीएमओ सूर्यप्रकाश ऊके का पक्ष जानने के लिए मोबाइल नम्बर पर सम्पर्क किया गया, तो रिंग जाने के बावजूद उनके द्वारा कॉल रिसीव नहीं की गई।

सड़क नहीं, सवालों की बुनियाद! निर्माण शुरू होते ही दरकी सीसी रोड ने खोली पीडब्ल्यूडी की कार्यशैली की परतें

नीमटोला-थानेगांव मार्ग पर गुणवत्ता पर सवाल, इंजीनियर की निगरानी पर उठे प्रश्न, शिकायतों के बावजूद विभाग की चुप्पी से बढ़ा आक्रोश

हरिभूमि न्यूज लाँजी । लांजी तहसील के नीमटोला नहर से थानेगांव तक बन रही 1.80 किलोमीटर लंबी सीसी सड़क निर्माणाधीन अवस्था में ही सवालों के घेरे में आ गई है। लाखों रुपये की लागत से लोक निर्माण विभाग के तहत किए जा रहे इस कार्य को देखकर ग्रामीण पूछ रहे हैं कि आखिर सड़क बन रही है या सरकारी धन की बर्बादी की पटकथा लिखी जा रही है। निर्माण पूरा होने से पहले ही कई स्थानों पर दरारें दिखाई देने लगी हैं, जिससे गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि टेंडर की शर्तों के विपरीत फेवर मशीन के बजाय हाथों से निर्माण कराया जा रहा है, पर्याप्त तराई नहीं हो रही और कई तकनीकी मानकों की अनदेखी की जा रही है। यदि यही हाल रहा तो पहली बारिश में सड़क की वास्तविक मजबूती सामने आ जाएगी।

ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि पूरे निर्माण कार्य में सबसे बड़ी कमी तकनीकी निगरानी की दिखाई दे रही है। आरोप है कि संबंधित इंजीनियर का नियमित निरीक्षण लगभग न के बराबर रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि इंजीनियर कभी-कभार औपचारिक रूप से स्थल का दौरा कर लौट जाते हैं, लेकिन निर्माण की गुणवत्ता, सामग्री की जांच या तकनीकी मानकों के पालन को लेकर कोई प्रभावी हस्तक्षेप नहीं किया जाता। इसी का परिणाम है कि ठेकेदार अपनी सुविधा के अनुसार कार्य करा रहा है। शिकायतों के बावजूद यदि निर्माण में सुधार नहीं हो रहा तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर विभागीय निगरानी केवल कागजों तक सीमित है या वास्तव में मौके पर भी दिखाई देती है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय पर तकनीकी जांच होती तो निर्माणाधीन सड़क में शुरुआती दरारें नहीं पड़तीं।

ग्राम के सरपंच एवं ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण स्थल पर तैनात सुपरवाइजर रामटेककर अपनी मनमर्जी से कार्य करा रहा है। जनप्रतिनिधियों का कहना है कि गुणवत्ता संबंधी सवाल उठाने पर उनसे अभद्र व्यवहार किया जाता है और शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जाता। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि सड़क के नीचे आवश्यक पॉलीथीन झिल्ली नहीं बिछाई गई तथा कई बार रात के समय भी निर्माण कार्य कराया जाता है। लगातार मिल रही शिकायतों के बावजूद विभागीय अधिकारियों द्वारा प्रभावी जांच नहीं कराना लोगों के मन में संदेह पैदा कर रहा है। थानेगांव के सरपंच और पूर्व जनपद सदस्य अमित घोंगड़े सहित ग्रामीणों द्वारा कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद अब तक किसी कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है।

निर्माण की गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों के बीच ग्रामीणों ने एक और गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सड़क निर्माण के लिए लाई गई सीमेंट की बोरियां कथित रूप से गांव में ही बेची जा रही हैं। जिन ग्रामीणो द्वारा यह सीमेंट ली गई है उन ग्रामीणे ने बताया कि सीमेंट सुपरवाइजर के कथित सहयोगी ठाकरे के माध्यम से उपलब्ध कराई गई।

खबर संक्षेप

बरघाट में कथित धर्मांतरण मामले में विश्व हिन्दू परिषद ने कार्रवाई की मांग

बरघाट (सिवनी)। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल, द्वारा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) बरघाट को एक ज्ञापन सौंपकर ग्राम दोदीवाड़ा में कथित धर्मांतरण गतिविधियों की जांच एवं कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। ज्ञापन में बताया गया है कि ग्राम दोदीवाड़ा निवासी रामप्रसाद चौधरी अपने खेत से लौटा तो देखा कि मेरे घर में अनुसुइया कोमलवार, नीलिमा मेश्राम एवं अनुसुइया का दामाद बैठे हैं जो मेरी बहू अंजना चौधरी को बोल रहे हैं कि तुम ईसाई धर्म अपना लो जिससे तुम्हारे जोडो का दर्द व अन्य सभी समस्या दूर हो जाएगी व तुमको दो हजार रूपए महिना भी मिलेगा व धर्मांतरण के लिए खुद के घर चलने को बोल रही थी जिसके जानकारी मैंने गजानंद बिसेन व राजेंद्र बिसेन को दी व उनके साथ अनुसुइया कोमलवार के घर जा के देखा तो उसके घर में उनका दामाद ईशा मसीह की फोटो लेकर पूजा कर रहा है व गांव के भी दो अन्य लोग बैठे हैं ।यह लोग मेरी बहू को पैसा का लोभ देकर धर्म परिवर्तन करवाना चाह रहे थे जिसकी लिखित शिकायत रामप्रसाद चौधरी ने पुलिस थाना अरी में की है लेकिन आज तक इन तीनों लोगो पर एफआईआर दर्ज नहीं किया गया है उल्टा अनुसुइया कोमलवार के आवेदन पर रामप्रसाद चौधरी व अन्य गांव के लोगों को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व विभाग बरघाट ने नोटिस जारी किया जा रहा है जिसके कारण विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल ने ज्ञापन सौंपकर अनुसुइया कोमलवार नीलिमा मेश्राम एवं अनुसुइया कोमलवार के दामाद पर प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन करवाने पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाए न कि ग्राम के लोगों को परेशान किया जाए। अगर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल आंदोलन, भूख हड़ताल करेगा ज्ञापन में दिग्विजय सिंह राजपूत प्रांत धर्मप्रसार, रंजीत धुर्वे सहित अन्य लोगों के हस्ताक्षर है।

112 की मदद से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, कंटेनर जब्त कर जांच शुरू

सिवनी/बटवानी। नेशनल हाईवे-44 पर लखनवाड़ा थाना क्षेत्र के बटवानी चौक के पास शुक्रवार शाम करीब 7 बजे एक तेज रफ्तार कंटेनर ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही लखनवाड़ा पुलिस और स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा 112 वाहन की मदद से दोनों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मेगा ओपन कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 15 जुलाई को

सिवनी। सतपुड़ा प्रा. आईटीआई नागपुर रोड़ सिवनी द्वारा युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक दिवसीय ओपन मेगा कैम्पस प्लेसमेंट का आयोजन 15 जुलाई को सुबह 10 बजे से संस्थान परिसर सतपुड़ा आईटीआई मे किया जायेगा! प्राचार्य प्रदीप पंचबुद्धे जी ने बताया की देश की जानी मानी कंपनी रूक्रस्न टायर्स,टाटा मोटर्स, किआ प्रा. लिमिटेड,बजाज ऑटो लिमिटेड द्वारा यह कैम्पस किया जा रहा है जिसमे विभिन्न योग्यता वाले 10,12वी, बीएससी,बीए, आईटीआई, पोलिटेक्निक उत्तीर्ण योग्यता वाले अभ्यार्थी भाग ले सकते है! सभी योग्यता धारी स्टूडेंट्स अधिक से अधिक संख्या मे उपस्थित होकर रोजगार के इस अवसर का लाभ ले।

मोहगांव सड़क की तीन हेक्टेयर शासकीय भूमि को ग्राम पंचायत को लौटाने की मांग

ग्रामीणों ने कलेक्टर से रिसॉर्ट निर्माण पर रोक लगाने की लगाई गुहार

सिवनी जिले के ग्राम मोहगांव सडक़ में स्थित शासकीय घास मद की भूमि (खसरा क्रमांक 209, रकबा 3.00 हेक्टेयर) को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। ग्राम पंचायत एवं ग्रामीणों ने कलेक्टर सिवनी को ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि उक्त भूमि को ग्राम पंचायत के सुपुर्द किया जाए तथा उस पर प्रस्तावित निजी रिसॉर्ट निर्माण की अनुमति निरस्त की जाए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

ग्रामीणों के अनुसार वर्ष 2014-15 में तत्कालीन कलेक्टर के आदेश के आधार पर यह भूमि एनएचएआई की सद्भावना कंपनी को ट्रांसपोर्ट नगर एवं कॉम्प्लेक्स निर्माण के उद्देश्य से आवंटित की गई थी। लेकिन करीब एक दशक बीत जाने के बाद भी न तो ट्रांसपोर्ट नगर बना और न ही कॉम्प्लेक्स का निर्माण हुआ। अब जबकि एनएचएआई का कार्य पूर्ण हो चुका है और निर्माण सामग्री भी वहां से हटा ली गई

है, ऐसे में भूमि का मूल उद्देश्य समाप्त हो चुका है। आवेदन में कहा गया है कि वर्तमान में भूमि खाली है तथा आसपास 40 से 50 छोटे दुकानदार आजीविका चला रहे हैं।ग्रामीणों का आरोप है कि अब इसी भूमि को एक निजी कंपनी को रिसॉर्ट निर्माण के लिए देने की प्रक्रिया चल रही है, जिसका ग्राम पंचायत और अधिकांश ग्रामीण विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि ग्राम की सार्वजनिक भूमि का उपयोग निजी व्यावसायिक परियोजना के लिए नहीं बल्कि स्थानीय विकास और रोजगार सृजन के लिए होना चाहिए। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि दुकानदारों को हटाने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं, जिन्हें तत्काल निरस्त करने की मांग की गई है।

सिवनी में पीएम राहत योजना पर निजी अस्पतालों की बैठक

दुर्घटना पीड़ितों को 7 दिन तक 1.5 लाख तक मिलेगा मुफ्त इलाज

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में प्रधानमंत्री राहत योजना के अंतर्गत निजी अस्पताल संचालकों एवं प्रबंधकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पंकज दुबे ने की।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

बैठक में योजना का विस्तृत प्रस्तुतीकरण देते हुए बताया गया कि सडक़ दुर्घटना के मामलों में पीड़ित को दुर्घटना के 24 घंटे के भीतर अस्पताल में भर्ती होने पर 7 दिनों तक ?1.50 लाख तक का निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। योजना की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन संचालित होती है, जिसकी जानकारी अस्पताल प्रबंधकों को विस्तार से दी गई। अधिकारियों ने बताया कि जिले में अब तक 56 प्रकरणों में 2.20 लाख रुपये की स्वीकृति जारी कर संबंधित अस्पतालों के खातों में राशि हस्तांतरित की जा चुकी है। योजना में जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पताल सहित कई निजी अस्पताल भी शामिल हैं। बैठक में डीआरएम अमोल शुक्ला ने ऐसे सभी निजी अस्पतालों से, जो अभी तक योजना में पैनल में शामिल नहीं हुए हैं, शीघ्र आवेदन कर पैनल में शामिल होने तथा प्रत्येक पात्र दुर्घटना पीड़ित को योजना का लाभ सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर डीपीएम डॉ. शैलेश डेहरिया, संदीप सोनकेसरिया, डीआरएम शाखा प्रभारी अमोल शुक्ला एवं जिले के सभी निजी अस्पतालों के प्रबंधक उपस्थित रहे।

विधायक योगेंद्र बाबा ने वितरित किए पानी टैंकर

हरिभूमि न्यूज छब्बी लाल कमलेशिया। लखनादौन विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री योगेंद्र सिंह बाबा विगत कई वर्षों से विधानसभा क्षेत्र में भीषण पानी की समस्या को देखते हुए गांव-गांव में पानी के टैंकर वितरित कर रहे हैं जिससे ग्राम पंचायतो को पानी की समस्या से निदान मिल रहा है ग्राम पंचायतो में सामाजिक कार्यों में भी टैंकरों की जरूरत पड़ती है टैंकर मिलने से सामाजिक कार्यक्रमों में पानी की समस्या से निदान हो जाता है विधायक द्वारा दिए गए टैंकरों से क्षेत्र की जनता बहुत खुश है।
आज विधायक द्वारा ग्राम पंचायत डाला के सिहोरा ग्राम में एवं ग्राम पंचायत चूलगांव में विधायक प्रतिनिधि इसराइल खान जी द्वारा टैंकर वितरित किए गए ग्राम पंचायत चूलगांव से सरपंच श्रीमती लक्ष्मी अशोक परते उप सरपंच काशीराम बिहूनिया सचिव मोहित कोसले सहायक सचिव तुलाराम ग्राम के वरिष्ठ जन शोभाराम इनवाती पूर्व उपसरपंच नीके लाल यादव वार्ड पंच परमसुख इनवाती एवं अन्य लोग उपस्थित थे ग्राम के सरपंच उप सरपंच उपस्थित लोगों ने क्षेत्रीय विधायक बाबा को धन्यवाद प्रेषित किया।

खेत के सूने घर में जली हुई अवस्था में मिले शिक्षक दंपती के शव

डीएनए सैम्पल से पुष्टि करने में जुटी फारेसिंक टीम

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिला मुख्यालय से लगभग 70 किमी दूर उगली थाना के मोहबर्रा गांव में खेत के पास बने एक सूने मकान में जली हुई अवस्था में दो शव मिले है, जो यहां निवासरत शिक्षक दंपती होने की संभावना है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। चूंकि शव बुरी तरह जल चुके है इसलिए जिला पुलिस और जबलपुर फारेसिंक टीम डीएनए सैम्पल से मृतकों की पुष्टि करने में जुट गई हैं। देर रात पहुंची टीमें शनिवार को भी मृतकों के घर में मौजूद साक्ष्य एकत्रित करने में जुटी रही। साथ ही आज दोनों शवों का पोस्ट मार्टम कराया जा रहा है। प्रारंभिक रूप से घर में जली हुई हालत में मिले शव शिक्षक समन धुर्वे (52) और उसकी पत्नी शिक्षिका मालती धुर्वे (50) होने का अनुमान है। घटनास्थल की परिस्थितियों को देखकर पूरी घटना एक से दो दिन पुरानी होने का अंदाजा लगाया जा रहा है।
सिवनी पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी ने

बताया कि जिस घर में जले हुए शव मिले हैं वह आबादी क्षेत्र से दूर खेत में स्थित है। इसके कारण पड़ोसियों को भी इस घटना की भनक नहीं लगी। घटना का खुलासा शुक्रवार को तब हुआ जब शिक्षिका मालती धुर्वे के दो दिनों तक स्कूल न पहुंचने और कोई सूचना न देने पर स्कूल प्रबंधन ने पास में ही रहने वाली उनकी बहन कृष्णा बाई से संपर्क किया। बहन जब हालचाल जानने इस सुनसान घर में पहुंचीं, तो घर के अंदर जली हुई अवस्था में दोनों शव देखकर उन्होंने शाम 4.18 बजे डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे पुलिस बल ने घटनास्थल की छानबीन शुरू कर दी है। उन्होंने स्वयं घटनास्थल पहुंचकर परिस्थितियों का जायजा लिया।
जबलपुर एफएसएल टीम वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने में लगी हैं। घर के फर्श पर घसीटने के निशान और एक पर्स सहित अन्य जगहों पर खून के धब्बे मिले हैं, जो जान बचाने के लिए हुए संघर्ष की ओर इशारा कर रहे हैं। मौके से शिक्षक दंपती के दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। जब पुलिस पहुंची तब तक आग पूरी तरह बुझ चुकी थी, लेकिन शव इतनी बुरी तरह जल चुके हैं कि उनकी शिनाख्त करना मुश्किल है। आधिकारिक पुष्टि के लिए डीएनए टेस्ट की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।
प्रारंभिक जांच व स्थानीय लोगों से पूछताछ में यह बात सामने आई है कि पति का स्वभाव बेहद गुस्सैल, आक्रामक और कुछ हद तक असामान्य था। यह दंपती समाज से पूरी तरह कटकर रहता था, घर में किसी बाहरी व्यक्ति का प्रवेश वर्जित था, यहां तक कि दूधवाला भी बाहर ही बोतल छोडक़र जाता था। डेढ़ साल पहले भी पति ने केवलारी थाना क्षेत्र में अपनी पत्नी पर हंसिया (दरांती) से जानलेवा हमला किया था, जिसमें पत्नी को गंभीर चोटें आई थीं और टांके लगे थे। प्रथम दृष्टया पुलिस को अंदेशा है कि आपसी विवाद के चलते पति ने पहले अपनी पत्नी की हत्या की और फिर खुद को आग लगाकर आत्महत्या कर ली। किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा दंपती की हत्या करने का अंदेशा नहीं है। पुलिस ने दंपती के दोनों बच्चों (नवोदय विद्यालय कान्हीवाड़ा में अध्ययनरत छोटे बेटे तथा इंदौर में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे बड़े बेटे सहित परिवार के अन्य सदस्यों को सूचना दे दी है।

छपारा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: चांदी के जेवर चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज सिवनी। पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिवनी के मार्गदर्शन में तथा एसडीओपी लखनादौन अपूर्व भलावी के मार्गदर्शन में जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों पर रोक लगाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना छपारा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। दिनांक 08/07/2026 की दोपहर 12 बजे से रात्रि 09 बजे के बीच अज्ञात आरोपियों द्वारा प्रार्थिया सीताबाई पति देवकुमार बर्मन, निवासी डुंगरिया मोहल्ला छपारा के घर का ताला तोडक़र चांदी के जेवरात कीमती 45,000 चोरी कर लिए गए थे। प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना छपारा में अपराध क्रमांक 305/2026 धारा 331(4), 305(र) बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।
विवेचना के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि घटना दिनांक को प्रार्थिया का ही पुत्र विजेन्द्र पिता देवकुमार

बर्मन, उम्र 28 वर्ष, निवासी डुंगरिया वार्ड छपारा प्रतापगढ़ रोड स्थित जंगल में संदिग्ध अवस्था में घूम रहा था। पुलिस टीम द्वारा संदेही से पूछताछ करने पर उसने चोरी की घटना स्वीकार की। आरोपी की निशानदेही पर छपारा-प्रतापगढ़ रोड, आईटीआई मोड़ के आगे जंगल में केतकी की झाडियों से चोरी का सम्पूर्ण माल बरामद किया गया। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल वारंट जारी होने पर उसे जिला जेल सिवनी भेजा गया है।
सराहनीय भूमिका- इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक खेमेन्द्र कुमार जैतवार, उप निरीक्षक मुकेश डेहरिया, सहायक उप निरीक्षक भुजवल सिंह प्रजापति, प्र.आर. बालचंद घोरमारे, प्र.आर. शैलेन्द्र कवरेती, आर. विनोद धुर्वे एवं आर. सूरज गिरारे की विशेष भूमिका रही।

गढ़ी की दीवार किसने और क्यों गिराया,गोंडवाना गणतंत्र पार्टी छपारा ने तहसीलदार को जांच के लिए सौंपा ज्ञापन

ऐतिहासिक धरोहर छपारा की राजा रामसिंग गढ़ी किला की दीवार को किसने ढहाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ छपारा।

गौंडवाना शासन काल मे बनी ऐतिहासिक धरोहर राजा राम सिंग शाह का किला जिसे गढ़ी के नाम से जाना जाता है प्राचीन काल का किला जिसे लगभग 200 वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी राजा राम सिंग शाह गौडवाना शासक द्वारा बनवाए गए क़िला की दीवार अब तक खड़ी हुई हैं जहां जिला सिवनी पुरातत्वविभाग की लापरवाही एवं देखरेख नहीं किए जाने के परिणाम स्वरुप उक्त प्राचीन ऐतिहासिक धरोहर लगातार जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पहुंचाया जा चुका है वहीं दूसरी ओर विगत दिनों नदी की ओर के हिस्से में किला की दोहरी बनी दीवारों में से बाहरी हिस्से की विशाल दीवार जो किले की सुरक्षा को लेकर एवं सैनिकों को शत्रुओं से बचने एवं हमला करने के लिए बनाई गई थी उसे तोड़ दिया गया जिसकी जानकारी छपारा ब्लाक गोंडवाना गणतंत्र पार्टी को लगी और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के द्वारा दिनांक 10 जुलाई को शाम 5 बजे तहसील कार्यालय छपारा में तहसीलदार सौरभ मरावी को ज्ञापन सोपा गया जिसमें ऐतिहासिक धरोहर घड़ी को नुकसान पहुंचने पर विरोध दर्ज कराया गया वहीं दूसरी ओर जिन अवस्था में पहुंच चुकी किले की दीवारों को मरम्मत किए जाने की भी मांग की गई है वहीं दूसरी और दीवार को ढहाने का कार्य किसके द्वारा किया गया है और क्यों दीवार को गिरा दिया गया यह सवाल खड़े हो रहे हैं पूरे मामले पर प्रशासन के द्वारा मामले को जांच में ले लिया गया है गोंडवाना गणतंत्र पार्टी छपारा द्वारा ज्ञापन में चेताया गया है कि 10 दिनों में निष्पक्ष जांच एवं कार्यवाही नहीं प्रशासन के द्वारा की जाती है तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

आदेश की अवहेलना पर अमीन को अंतिम नोटिस, कार्यभार न लेने पर रुकेगा वेतन

छपारा। जल संसाधन विभाग के अंतर्गत तिलवारा बांयी तट नहर संभाग केवलारी के कार्यपालन यंत्री पी.एन. नाग द्वारा अमीन उमेश कुमार शर्मा (अपर वैनगंगा बांध उपसंभाग क्रमांक-3, भीमगढ़) को शासकीय कार्यों में लापरवाही और उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करने पर अंतिम कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। नोटिस के अनुसार, अमीन उमेश कुमार शर्मा को प्रशासनिक दृष्टि से जल उपभोक्ता संथा बरबसपुर का कार्यभार संभालने के निर्देश बार-बार लिखित एवं मौखिक रूप से दिए गए थे, लेकिन उनके द्वारा आज तक कार्यभार ग्रहण नहीं किया गया। इस हठधर्मिता के कारण क्षेत्र में सिंचाई कार्य प्रभावित होने के साथ-साथ शासकीय राजस्व वसूली को भारी नुकसान पहुंचा है। दस्तावेजों के मुताबिक, उक्त कर्मचारी पहले भी अनुशासनहीनता और कदाचरण के एक मामले में सिवनी कलेक्टर द्वारा दो वेतन वृद्धि संचयी प्रभाव से रोकने (दंडित) किए जाने की कार्रवाई का सामना कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त, बांध के डूब क्षेत्र/टीबीसी प्रभार के दौरान गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के चलते उनके खिलाफ पुलिस थाना छपारा में आईपीसी की धारा 409 (शासकीय धन का गबन/अपराधिक हनन) के तहत एफआईआर (क्र. 0548 दिनांक 25/12/2023) भी दर्ज है, जिसकी जांच जारी है। कार्यपालन यंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए अमीन को अंतिम चेतावनी दी है कि वे तत्काल जल उपभोक्ता संथा बरबसपुर का कार्यभार ग्रहण करें। यदि वे अपने मैदानी कर्तव्य पर उपस्थित नहीं होते हैं, तो नो-वर्क-नो-पे (काम नहीं तो वेतन नहीं) के सिद्धांत के आधार पर उनके वेतन आहरण पर तत्काल रोक लगा दी जाएगी तथा नियमानुसार कड़ी अनुशासनात्मक एवं विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

सिविल डिफेंस वालंटियर्स का 7 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण सम्पन्न

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने स्वयंसेवकों के सेवा भाव, अनुशासन और तत्परता की सराहना

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

गृह रक्षा, नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन संगठन, मध्यप्रदेश भोपाल के तत्वावधान में आयोजित सिविल डिफेंस वालंटियर्स का सात दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। 2 जुलाई से प्रारंभ हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम में प्रशिक्षकों एवं अधिकारियों की उपस्थिति में प्रशिक्षार्थियों ने प्रशिक्षण के दौरान अर्जित कौशल का प्रभावी प्रदर्शन किया।
समापन सत्र में कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने स्वयंसेवकों द्वारा फायर फाइटिंग, सर्च एंड रेस्क्यू, प्राथमिक उपचार, सीपीआर सहित विभिन्न आपदा प्रबंधन तकनीकों का प्रदर्शन देखा। वालंटियर्स ने आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित निर्णय लेने, घायलों को सुरक्षित निकालने, आग पर नियंत्रण तथा जीवनरक्षक उपायों का सफल प्रदर्शन कर अपनी दक्षता का परिचय दिया। कलेक्टर श्रीमती मीना ने प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि प्रशिक्षण का वास्तविक उद्देश्य संकट की घड़ी में लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।
कलेक्टर श्रीमती मीना ने स्वयंसेवकों से व्यक्तिगत संवाद कर प्रशिक्षण के अनुभवों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि समाज सेवा का भाव ही सिविल डिफेंस की सबसे बड़ी पहचान है। प्रशिक्षित वालंटियर्स प्रशासन की आपदा प्रबंधन व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और प्राकृतिक आपदा, सडक़ दुर्घटना, अग्निकांड अथवा अन्य आपात स्थितियों में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रहती है। उन्होंने स्वयंसेवकों से अपील की कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान एवं कौशल का उपयोग केवल अभ्यास तक सीमित न रखते हुए समाज और मानवता की सेवा में करें।
उन्होंने कहा कि किसी भी आपदा की स्थिति में प्रारंभिक कुछ मिनट सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। ऐसे समय में प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की तत्परता अनेक लोगों का जीवन बचा सकती है। इसलिए सभी वालंटियर्स सदैव तैयार रहें तथा समय-समय पर अभ्यास के माध्यम से अपनी दक्षता को और मजबूत बनाते रहें।
कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर श्रीमती मीना ने सभी प्रशिक्षार्थियों को टी-शर्ट एवं प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र वितरित किए। उन्होंने आश्वस्त किया कि आगामी समय में वालंटियर्स को पहचान पत्र एवं रिफ्लेक्टिव जैकेट भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे वे राहत एवं बचाव कार्यों के दौरान अधिक प्रभावी ढंग से अपनी सेवाएं दे सकें।

डी.पी.सी. रोल मॉडल एक्सीलेंस स्कूल में विश्व जनसंख्या दिवस पर नुक्कड़ नाटक एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज सिवनी। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर डी.पी.सी. रोल मॉडल एक्सीलेंस स्कूल में विद्यार्थियों के मध्य जनसंख्या वृद्धि के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें नुक्काड़ नाटक, चित्रकला, भाषण, पोस्टार एवं अन्य जागरूकता आधारित गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिनमें सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में छात्रों ने बढती जनसंख्या के सामाजिक आर्थिक एवं पर्यावरणीय प्रभावों पर प्रकाश डाल कर अपनी भावना व्यदक्तय की। जिसमें जनसंख्या नियंत्रणसंसाधनों के संतुलित उपयोग और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर संस्था के निदेशक डॉ. के. के. चतुर्वेदी ने अपने संबोधन में कहा कि जनसंख्या वृद्धि आज के समय की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। यदि जनसंख्या वृद्धि पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया तो भविष्य में प्राकृतिक संसाधनों जिसमें पेयजल, कृषि भूमि, रहवासी भूमि, शिक्षा, परिवहन, स्वास्थ्य, रोजगार तथा पर्यावरण पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह जनसंख्या नियंत्रण के प्रति जागरूक बने और समाज में भी जागरूकता फैलाए। छात्रों ने नाटक के माध्यमम से सरकार से आने वाली पिढियों के लिए संसाधन सुरक्षित रखने कनून बनाने की मांग नाटक के माध्यम से की है।

1,160 करोड़ रुपए के फोर्टिफाइड चावल घोटाले का खुलासा

करोड़ों का राइस घोटाला, बालाघाट से निकला सरकारी चावल नहीं पहुंचा एथेनॉल प्लांट

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

1,160 करोड़ रुपए के फोर्टिफाइड चावल घोटाले का खुलासा होने के बाद आखिरकार पुलिस ने शनिवार शाम वारासिवनी थाने में FIR दर्ज कर ली।

मामले में 13 से अधिक लोगों को आरोपी बनाया गया है। अब तक 4 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि संचेती राइस मिल के संचालक गंभीर संचेती और उनके बेटे सौरभ संचेती के खिलाफ कोर्ट से गैर-जमानती वारंट जारी हुआ है। दोनों फरार हैं।

भास्कर ने अपनी इन्वेस्टिगेशन में खुलासा किया था कि एथेनॉल उत्पादन के नाम पर सरकारी फोर्टिफाइड चावल की खरीद-बिक्री में करोड़ों रुपए का खेल चल रहा था।

सरकारी सिस्टम से करीब 2320 रुपए प्रति क्विंटल में निकलने वाला चावल करीब 2800 रुपए प्रति क्विंटल में बेचा जा रहा था। इस पूरे नेटवर्क में कई स्तरों पर मुनाफा बांटा जा रहा था। जांच के दायरे में आने के डर से लंबे समय तक कार्रवाई नहीं होने की भी बात सामने आई थी।

मामले की शुरुआत 3 जून को हुई, जब वारासिवनी क्षेत्र में संचेती राइस मिल के पास सरकारी फोर्टिफाइड चावल से भरा एक ट्रक पकड़ा गया। यह चावल बालाघाट के एफसीआई गोदाम से छिंदवाड़ा के एवीजे एथेनॉल प्लांट भेजा जाना था।

शुरुआती जांच में एक ट्रक का मामला सामने आया, लेकिन पड़ताल आगे बढ़ी तो ट्रकों, राइस मिलर्स और ट्रांसपोर्ट नेटवर्क की परतें खुलती चली गईं।

FIR के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में ट्रक ड्राइवर दुर्गेश शेंडे, एवीजे एथेनॉल प्लांट का प्रतिनिधि राहुल प्रताप, प्लांट सुपरवाइजर राकेश श्रीवास्तव और सिवनी का ट्रांसपोर्टर उबेद खान शामिल हैं। वहीं, संचेती राइस मिल के संचालक गंभीर संचेती और उनके बेटे सौरभ संचेती फरार हैं। दोनों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया कि पूरे मामले की जांच के लिए 20-25 सदस्यीय एसआईटी गठित की गई है। टीम अब तक 17 ट्रक जब्त कर चुकी है। 50 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की जा चुकी है, जबकि तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर सिवनी के दो राइस मिलर्स समेत 5-6 लोगों को नोटिस देकर बयान दर्ज किए गए हैं।

सरकारी चावल की सप्लाई केवल एक एथेनॉल प्लांट तक सीमित नहीं थी। इसी आधार पर अब अन्य प्लांटों और बड़े नेटवर्क की भी जांच की मांग उठ रही है। पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने एक पूर्व मंत्री और उनके भाई पर मिलीभगत के आरोप लगाते हुए पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग की है।

पावर हाउस अतिक्रमण मामला

हाईकोर्ट ने याचिका खारिज की, 65 परिवारों को खाली करनी होगी सरकारी जमीन

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। जबलपुर उच्च न्यायालय ने बालाघाट शहर के पावर हाउस क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने के मामले में प्रभावितों की याचिका खारिज कर दी है। शुक्रवार को आए इस फैसले से अतिक्रमणकारियों को बड़ा झटका लगा है। न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं को 13 जुलाई को बालाघाट तहसीलदार के सामने हाजिर होने का निर्देश दिया है।

यह याचिका उन लोगों ने दायर की थी जिन्होंने पावर हाउस क्षेत्र की सरकारी जमीन पर अस्थायी मकान बनाकर कब्जा किया हुआ था। प्रशासन इस जमीन पर तहसील भवन का निर्माण करना चाहता है, जिसके लिए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही थी।

उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में कहा है कि तहसीलदार याचिकाकर्ताओं को सुनवाई का मौका दें और एक महीने के भीतर उन्हें वैकल्पिक आवास (दूसरे घरों) में शिफ्ट करने पर निर्णय लें। इसी निर्देश के तहत याचिकाकर्ताओं को आने वाली 13 जुलाई को तहसीलदार के सामने अपना पक्ष रखने को कहा गया है।

दरअसल, पावर हाउस क्षेत्र की सरकारी जमीन पर रहने वाले लगभग 60 से 65 लोगों को बेदखली के लिए महीनों पहले नोटिस जारी किए गए थे। नोटिस की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जब प्रशासनिक अमला अतिक्रमण हटाने पहुंचा, तो वहां भारी विरोध हुआ। इस दौरान आम आदमी पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी मनोज पमनानी ने बरसात के मौसम तक अतिक्रमण न हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था, जिसके बाद उन्हें जेल भी जाना पड़ा था।

इसके बाद अतिक्रमणकारियों ने राहत पाने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन कोर्ट ने उनकी याचिका को स्वीकार नहीं किया।

इससे पहले, प्रशासन ने कब्जाधारियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने मकानों में शिफ्ट होने का प्रस्ताव दिया था, जिसे उन्होंने ठुकरा दिया था। न्यायालय ने अब साफ कर दिया है कि यदि याचिकाकर्ता तहसीलदार द्वारा तय किए गए वैकल्पिक आवास में जाने से मना करते हैं, तो तहसीलदार आदेश के आधार पर कानून के मुताबिक आगे की कार्रवाई करने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र होंगे।

विद्यार्थियों ने लिया नशे से दूर रहने का संकल्प

गीत-संगीत के जरिए गूंजा नशा मुक्ति का संदेश

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें जनपद पंचायत बिरसा के उपाध्यक्ष हेमंत साहू

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित नशा मुक्त भारत अभियान के तहत शुक्रवार 10 जुलाई 2026 को बिरसा स्थित उत्कृष्ट बालक छात्रावास एवं कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास बिरसा में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। गीत, संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए स्वस्थ एवं जिम्मेदार जीवन अपनाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद पंचायत बिरसा के उपाध्यक्ष हेमंत साहू ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा, लक्ष्य और उज्ज्वल भविष्य पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान करते हुए कहा कि नशे जैसी सामाजिक बुराई से स्वयं दूर रहें और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान तभी सफल होगा, जब समाज का प्रत्येक नागरिक इसकी जिम्मेदारी निभाएगा। प्रदेश स्तरीय कलापथक दल के प्रमुख रोमन सिंह मरावी के नेतृत्व में कलाकार शेख रफीक खान, नरेंद्रपाल, सुखसागर कुड़ापे, सुरेश कुमार कुमरे एवं झरिया सिंह मरावी ने संदेशपरक गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से नशे के सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी दुष्परिणामों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने विद्यार्थियों को भावुक और प्रेरित किया तथा पूरा परिसर नशा मुक्ति के संदेशों से गूंज उठा।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत बिरसा के सामाजिक सुरक्षा अधिकारी नकुल मेरावी, उत्कृष्ट बालक छात्रावास के अधीक्षक कमलेश ठाकरे, कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास की अधीक्षिका चंद्रशिला धुर्वे, छात्रावासों के छात्र-छात्राएं एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर सभी विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा अपने परिवार और समाज को भी नशामुक्त बनाने के लिए जागरूक करने का सामूहिक संकल्प लिया। आयोजन के माध्यम से जनभागीदारी और जागरूकता के बल पर नशा मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने का संदेश दिया ।

डायरिया रोको अभियानः आठ गांवों में हैंडपंपों की मरम्मत, पेयजल स्रोतों का किया गया क्लोरीनीकरण

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले में संचालित डायरिया रोको अभियान के तहत शनिवार को लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) ने वारासिवनी, किरनापुर, लांजी, परसवाड़ा एवं बिरसा विकासखंड के कई गांवों में पेयजल स्रोतों को सुरक्षित बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया। इस दौरान खराब पड़े हैंडपंपों की मरम्मत कर उन्हें चालू किया गया तथा सभी हैंडपंपों में जर्मेक्स डालकर क्लोरीनीकरण किया गया।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री बी एल उसके ने बताया कि अभियान के अंतर्गत 11 जुलाई को ग्राम बुदबुदा, भुआ, लवेरी, परसोड़ी, केरेगांव, कटंगा, हर्राभाट एवं चरचेडी में पीएचई विभाग की टीम ने पेयजल स्रोतों का निरीक्षण किया। जहां आवश्यक था वहां हैंडपंपों का तत्काल सुधार कार्य कराया गया, ताकि ग्रामीणों को निर्बाध रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके।

विभाग द्वारा सुधारे गए हैंडपंपों के साथ गांव के अन्य सभी हैंडपंपों में भी जर्मेक्स डालकर क्लोरीनीकरण किया गया। इस प्रक्रिया से पानी में मौजूद हानिकारक जीवाणुओं का नाश होता है और डायरिया सहित अन्य जलजनित बीमारियों के फैलने की आशंका कम होती है।

पीएचई विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे केवल स्वच्छ एवं सुरक्षित पानी का ही उपयोग करें। पानी को छानकर और ढककर रखें तथा व्यक्तिगत स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। विभाग ने बताया कि डायरिया रोको अभियान के तहत जिलेभर में पेयजल स्रोतों की नियमित निगरानी और आवश्यक सुधार कार्य लगातार जारी रहेंगे, ताकि वर्षा ऋतु में जलजनित रोगों की रोकथाम सुनिश्चित की जा सके।

आरटीओ विभाग के अधिकारियों द्वारा की गई वाहनों की आकस्मिक जांच

वारासिवनी। आर टी ओ विभाग के अधिकारियों द्वारा शनिवार को वारासिवनी, कटंगी व रामपायली मार्ग पर चलने वाले वाहनों की आकस्मिक जांच की गई। इस दौरान वाहनों में दस्तावेजों की कमी, फिटनेस, बीमा, परमिट आदि की कमी पाए जाने पर उनके खिलाफ जुर्माने की कार्यवाही की गई। आरटीओ विभाग के सब इंस्पेक्टर राजेश सिंग तोमर ने बताया कि वारासिवनी, कटंगी, तुमसर मार्ग पर चलने वाले वाहनों की चेकिंग की गई। उनमें दस्तावेजों की कमी पाए जाने पर दो वाहनों पर साढ़े 12-12 हजार रूपए का जुर्माना और अन्य वाहनों पर दो से तीन हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। कुल 11 वाहनों से लगभग 40 हजार रुपए से अधिक जुर्माना वसूला गया है। उन्होंने बताया कि वाहन मालिकों व चालक को निर्देशित किया गया है कि वह परिवहन विभाग के सभी नियमों का पालन करें, जिससे उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। इस कार्यवाही के दौरान सब इंस्पेक्टर राजेश तोमर, आरक्षक स्वाति पटले,एस राहंगडाले, सैनिक रेखलाल राहंगडाले सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

लापता बुजुर्ग का क्षत-विक्षत शव

बालाघाट। बालाघाट जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित पलशे की झाड़ियों में शनिवार को एक बुजुर्ग का कई दिन पुराना क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ है। झाड़ियों में शव मिलने की सूचना से इलाके में सनसनी फैल गई।राहगीरों और खेत में काम कर रहे लोगों की सूचना पर कोतवाली थाना प्रभारी अजय गुर्जर पुलिस टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान मृतक की शिनाख्त लामता थाना क्षेत्र के बुढ़ियागांव निवासी शिखरचंद मरकाम के रूप में हुई है, जो बीते 3 जुलाई की शाम से लापता थे।परिजनों के अनुसार, शिखरचंद मरकाम के पैर में गंभीर चोट लगी थी, जिसके इलाज के लिए उन्हें 1 जुलाई को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में उनका बेटा धर्मेंद्र मरकाम उनकी देखरेख में लगा हुआ था। 3 जुलाई को धर्मेंद्र किसी काम से वापस अपने गांव बुढ़ियागांव गया था, और जब वह लौटकर आया तो उसके पिता अस्पताल के वार्ड से अचानक लापता थे। काफी खोजबीन के बाद भी जब उनका कुछ पता नहीं चला, तो परिजनों ने कोतवाली थाने में उनकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

बारिश में कटने वाले 50 गांवों की लाइफ लाइन बनेगा लिंगा पुल, विधायक मधु भगत ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

जिले में जारी वर्षा के बीच क्षेत्र के विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए विधायक मधु भगत ने ग्राम लिंगा पहुंचकर घिसर्री नदी पर निर्माणाधीन पुल का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, प्रगति और समय-सीमा की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा परियोजना को आगामी तीन माह के भीतर पूर्ण करने पर बल दिया।

घिसर्री नदी पर बन रहा लिंगा पुल क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं में से एक है। बरसात के दिनों में नदी का जलस्तर बढ़ने पर मार्ग जलमग्न हो जाता था, जिससे लगभग 50 गांवों का संपर्क मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों से टूट जाता था। परिणामस्वरूप ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, कृषि उपज के परिवहन तथा दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

इन्हीं समस्याओं के स्थायी समाधान के उद्देश्य से मई 2023 में लगभग आठ करोड़ रुपये की लागत से 150 मीटर लंबे पुल को स्वीकृति प्रदान की गई थी। वर्तमान में निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। निरीक्षण के दौरान विधायक ने निर्माण एजेंसी से तकनीकी प्रगति, सुरक्षा प्रबंधों और शेष कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने और कार्य में अनावश्यक विलंब न होने के निर्देश दिए।

विधायक मधु भगत ने कहा कि यह पुल हजारों ग्रामीणों की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान करेगा। उनका प्रयास है कि गुणवत्तापूर्ण निर्माण निर्धारित समय-सीमा में पूरा हो, ताकि जनता को शीघ्र इसका लाभ मिल सके। अधिकारियों ने भी आश्वस्त किया कि मौसम अनुकूल रहने पर अगले तीन माह के भीतर पुल का निर्माण पूर्ण कर आवागमन प्रारंभ कर दिया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने पुल निर्माण को क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने निर्माण अवधि में उपयोग किए जा रहे कीचड़युक्त डायवर्सन मार्ग की समस्या भी विधायक के समक्ष रखी। इस पर विधायक ने संबंधित विभाग को तत्काल चिल्ली बिछाकर मार्ग को सुगम बनाने के निर्देश दिए।

पूर्व सरपंच तुलसीराम कावरे ने कहा कि वर्षों से वर्षाकाल में आवागमन बाधित होने से लोगों को भारी परेशानियां उठानी पड़ती थीं। पुल बनने से क्षेत्र को बड़ी राहत मिलेगी। वहीं पीएमजीएसवाई की महाप्रबंधक माया परते ने बताया कि निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप कराया जा रहा है और गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

लिंगा पुल के पूर्ण होने से क्षेत्र में निर्बाध आवागमन सुनिश्चित होगा। साथ ही कृषि, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है। लंबे समय से जिस परियोजना की प्रतीक्षा की जा रही थी, वह अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है और शीघ्र ही क्षेत्रवासियों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलने की संभावना है।

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश : विवेक ज्योति विद्यालय बैहर में वृक्षारोपण दिवस पर किया पौधारोपण

हरिभूमि न्यूज बैहर।

वार्ड क्रमांक 09, सिविल लाइन स्थित विवेक ज्योति हायर सेकेंडरी स्कूल बैहर में शुक्रवार को वृक्षारोपण दिवस उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य डी.के. बिसेन समस्त शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया।इस अवसर पर प्राचार्य श्री बिसेन ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। स्वच्छ वायु, शुद्ध पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए तथा उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली और एक पेड़–एक जीवनर का संदेश देते हुए पौधों की सुरक्षा का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने हरित एवं स्वच्छ भारत के निर्माण में अपना सक्रिय योगदान देने का संकल्प दोहराया।

प्रीति डोंगरे का मप्र लोक सेवा की परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर माइनिंग इंस्पेक्टर पद पर हुआ चयन

हरिभूमि न्यूज किरनापुर।

किरनापुर की होनहार बेटी प्रीति डोहरे ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (MPPSC) परीक्षा में शानदार सफलता हासिल करते हुए माइनिंग इंस्पेक्टर पद पर चयन पाया है। अपनी उपलब्धि का श्रेय उन्होंने माता-पिता यदुनाथ डोहरे और श्रीमती ललिता डोहरे, भाई सुमित डोहरे, पुष्कर डोहरे, तिलक डोहरे चाचा जी और मित्रों और गुरुजनों को दिया है। इस सफलता से परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है, वहीं प्रीति ने किरनापुर का नाम रोशन कर युवाओं के लिए प्रेरणा का नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। आपको बता दे की एमपी पीएससी की परीक्षा इंदौर द्वारा आयोजित परीक्षा में माइनिंग इंस्पेक्टर पद पर चयनित होकर पूरे जिले एवं समाज का नाम गौरवान्वित किया है इस अवसर पर उनके परिवारों ने कहा कि प्रिति डोहरे की सफलता केवल उनकी व्यक्तिगत संघर्ष का परिणाम नहीं बल्कि उनके परिवार की त्याग तपस्या सहयोग और वर्षों की मेहनत का प्रतिफल है ।समाज एवं उन्होंने समाज एवं पूरे क्षेत्र का नाम गर्व से ऊंचा किया है ।और उनकी उपलब्धि से युवाओं में प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति नई ऊर्जा एवं आत्मविश्वास का संचार होगा। समाज की प्रतिनिधियों ने ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य दीर्घायु एवं उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वह आगे भी अपनी सेवाओं एवं कार्यों से प्रदेश समाज और राष्ट्र का गौरव बढ़ाते रहेंगी।

डीएसआर पद्धति से पांच एकड़ में जेआर-21 धान की बुवाई, मलाजखंड-लोरा के किसान अशोक यैगारे बने मिसाल

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। बालाघाट जिले में आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने की दिशा में किसान लगातार आगे बढ़ रहे हैं। बिरसा विकासखंड के मलाजखंड नगर पालिका परिषद के वार्ड क्रमांक 11, लोरा निवासी किसान अशोक यैगारे ने कृषि विस्तार अधिकारी योगेश वाहने के मार्गदर्शन में डीएसआर (डायरेक्ट सीडेड राइस) पद्धति से पांच एकड़ क्षेत्र में जेआर-21 धान की सफल बुवाई कर क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

किसान अशोक यैगारे ने बताया कि उन्होंने 16 जून को सीड ड्रिल (सीडिंग मशीन) के माध्यम से जेआर-21 धान की बुवाई की। यह धान की किस्म कम पानी में भी अच्छी उपज देने में सक्षम है। डीएसआर तकनीक में धान की नर्सरी तैयार कर रोपाई करने के बजाय बीजों की सीधे खेत में बुवाई की जाती है, जिससे पानी की बचत के साथ श्रम एवं लागत में भी कमी आती है। कृषि विस्तार अधिकारी योगेश वाहने ने बताया कि डीएसआर पद्धति जल संरक्षण की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी तकनीक है। इससे फसल की गुणवत्ता में सुधार होने के साथ किसानों की उत्पादन लागत घटती है और आय बढ़ाने में भी मदद मिलती है। उन्होंने क्षेत्र के अन्य किसानों से भी इस आधुनिक तकनीक को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि अशोक यैगारे जैसे प्रगतिशील किसान अपने सफल अनुभवों के माध्यम से अन्य किसानों को भी नई तकनीकों के प्रति प्रेरित कर रहे हैं। जल संकट की चुनौती के बीच डीएसआर पद्धति किसानों के लिए एक प्रभावी विकल्प बनकर उभर रही है। कृषि विभाग का मानना है कि बिरसा, मोहगांव और मलाजखंड क्षेत्र में आधुनिक कृषि तकनीकों का बढ़ता उपयोग न केवल किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगा, बल्कि टिकाऊ एवं जल-संरक्षण आधारित खेती को भी बढ़ावा देगा।

NCVT एवं DGE&T से मान्यता प्राप्त...
रोजगार हेतु नियमित केम्पस
न्यूनतम शुल्क
सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण
सर्वाधिक रोजगार
स्वामी विवेकानन्द प्रा. I.T.I.
Admission Open
इलेक्ट्रिशियन
फिटर
मोती तालाब के पास, सुरभि नगर, बालाघाट, मो. 7000627847, 7000482405, 9826324832